CBSE Class 12 हिंदी कोर

Sample Paper 06 (2020-21)

Maximum Marks: 80

Time Allowed: 3 hours

General Instructions:

i. इस प्रश्न पत्र में दो खंड हैं – खंड – अ और खंड – ब। खंड-अ में वस्तुपरक तथा खंड-ब में वर्णात्मक प्रश्न पूछे गए हैं।

ii. खंड-अ में कुल 6 प्रश्न पूछे गए हैं, जिनमें कुछ प्रश्नों के वैकल्पिक प्रश्न भी सम्मिलित हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

iii. खंड-ब में कुल 8 प्रश्न पूछे गए हैं, जिनमें कुछ प्रश्नों के वैकल्पिक प्रश्न भी सम्मिलित हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खंड-अ वस्तुपरक प्रश्न

1. विद्वानों का यह कथन बहुत ठीक है कि विनम्रता के बिना स्वतंत्रता का कोई अर्थ नहीं। इस बात को सब लोग मानते हैं कि आत्मसंस्कार के लिए थोड़ी-बहुत मानसिक स्वतंत्रता परमावश्यक है चाहे उस स्वतंत्रता में अभिमान और नम्रता दोनों का मेल हो और चाहे वह नम्रता ही से उत्पन्न हो। यह बात तो निश्चित है कि जो मनुष्य मर्यादापूर्वक जीवन व्यतीत करना चाहता है, उसके लिए वह गुण अनिवार्य है, जिससे आत्मनिर्भरता आती है और जिससे अपने पैरों के बल खड़ा होना आता है। युवा को यह सदा स्मरण रखना चाहिए कि वह बहुत कम बातें जानता है, अपने ही आदर्श से वह बहुत नीचे है और उसकी आकांक्षाएँ उसकी योग्यता से कहीं बढ़ी हुई हैं। उसे इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि वह अपने बड़ों का सम्मान करे, छोटों और बराबर वालों से कोमलता का व्यवहार करें, ये बातें आत्ममर्यादा के लिए आवश्यक हैं। यह सारा संसार, जो कुछ हम हैं और जो कुछ हमारा है-हमारा शरीर, हमारी आत्मा, हमारे भोग, हमारे घर और बाहर की दशा, हमारे बहुत से अवगुण और थोड़े गुण सब इसी बात की आवश्यकता प्रकट करते हैं कि हमें अपनी आत्मा को नम्र रखना चाहिए नम्रता से मेंरा अभिप्राय दब्बूपन से नहीं है, जिसके कारण मनुष्य दूसरों का मुँह ताकता है जिससे उसका संकल्प क्षीण और उसकी प्रज्ञा मंद हो जाती है; जिसके कारण वह आगे बढ़ने के समय भी पीछे रहता है और अवसर पड़ने पर चट-पट किसी बात का निर्णय नहीं कर सकता। मनुष्य का बेड़ा उसके अपने ही हाथ में है, उसे वह चाहे जिधर ले जाए। सच्ची आत्मा वही हैं, जो प्रत्येक दशा में, प्रत्येक स्थिति के बीच अपनी राह आप निकालती हैं।

क) विनम्रता के बिना किसका अर्थ नहीं होता ?

1. स्वतंत्रता का
2. परतंत्रता का
3. नम्रता का
4. दासता का

ख) मानसिक स्वतंत्रता किसके लिए आवश्यक है ?

1. मन के लिए
2. आत्मसंस्कार के लिए
3. नम्रता के लिए
4. दब्बूपन के लिए

ग) आत्मनिर्भर मनुष्य कैसा नहीं रहता है ?

1. स्वावलम्बी
2. स्वमुखापैक्षी
3. परमुखापेक्षी
4. नम्र

घ) दब्बूपन का क्या दुष्परिणाम होता है ?

1. मनुष्य को अपने पैरों पर खड़े होने की कला आ जाती है |
2. मनुष्य में विनम्रता आ जाती है |
3. वह अपने कार्य स्वयं करने लगता है |
4. वह त्वरित निर्णय नहीं ले सकता |

ड) आत्ममर्यादित व्यक्ति कैसा होता है ?

1. क्रोधी
2. आत्मसंस्कारित
3. दूसरों पर निर्भर
4. अकर्मण्य

च) युवा को किस बात का ध्यान रखना चाहिए ?

1. उसकी आकांक्षाएं उसकी योग्यताओं से बढ़ी हुई हैं |
2. उसकी आकांक्षाएं उसकी योग्यताओं से बढ़ी हुई नहीं हैं |
3. उसकी योग्यताएं उसकी आकांक्षाओं से बढ़ी हुई हैं |

4. उसकी योग्यताएं उसकी आकांक्षाओं से बढ़ी हुई नहीं हैं |

छ) सच्ची आत्मा किसे कहा गया है -

1. जो हर दशा में से अपनी राह निकाल लेती है |
2. जो हर दशा में से अपनी राह नहीं नुकाल पाती है |
3. जो हर दशा में राह भटक जाती है |
4. जो हर दशा में उसका साथ नहीं छोडती है |

ज) 'अवगुण' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग है -

1. अव
2. गुण
3. अ
4. व

झ) दब्बूपन व्यक्ति के विकास में बाधक है , कैसे ?

1. क्योंकि उसका निर्णय स्थिर नहीं रह पाता |
2. क्योंकि उसका निर्णय स्थिर हो जाता है |
3. क्योंकि वह अपने निर्णय स्वयं लेता है |
4. क्योंकि वह आत्मनिर्भर होता है |

ञ) गद्यांश के लिए सर्वाधिक उचित शीर्षक है |

1. विनम्रता का महत्व
2. परतंत्रता का महत्व
3. दासता का महत्व
4. दब्बूपन का महत्व

OR

सितंबर महीने तक वर्षा न होने के कारण पानी की कमी के कारण सभी इंद्रदेवता से सूखे से रक्षा करने के लिए गुहार लगा रहे थे। लेखक कहता है कि उसने भी धर्म का पालन करने के लिए पास के एक खेत में चरी बो रखी थी। पानी की कमी के कारण खेत में खड़ी ज्वार के पौधों की पत्तियाँ सूखकर, ऐंठकर बत्तियों-सी बन गई थीं। अर्थात् ज्वार की फसल सूखकर नष्ट हो रही थी। लेखक जीवों पर दया करने का प्रचार करने वाली संस्था का भूतपूर्व नौजवान सदस्य था। किंतु अब सूखे की स्थिति के कारण खेत में उत्पन्न नए-नए पौधों के तन-मन से मुरझाते जाने की विवशता और अपनी मेहनत से कमाये गए बीस रुपयों के बरबाद होते चले जाने पर आँसू बहाकर दुख व्यक्त कर रहा था।

अर्थात् लेखक ने अपनी मेहनत की कमाई के बीस रुपयों से चरी के बीज खेत में बोए थे। उनमें अंकुर फूटकर पौधे बन गए थे किंतु पानी के अभाव के कारण चरी के वे नए पौधे सूखने लगे थे। लेखक को अपने बीस रुपये बरबाद होने का दुख हो रहा था। परंतु उसके दुख व्यक्त करने से कुछ होने वाला नहीं था। यदि उसके आँसू रीतिकालीन काव्यों की वियोगिनी नायिकाओं की भाँति भी होते, जिनके आँसुओं के कारण समुद्र का पानी खारा हो गया था, तो भी आँसुओं के खारा होने के कारण सिंचाई के काम न आते। इस प्रकार रीतिकालीन कवियों ने वियोगिनी नायिकाओं के आँसुओं का बढ़ा-चढ़ा कर वर्णन किया है। उनके आँसुओं के समुद्र में मिलने के कारण समुद्र का पानी खारा हो गया था।

फिर भी गरीब किसानों की किसी पदार्थ को भस्म करने वाली आहों (कराहने की आवाज) से आकाश में बादल छाते दिखाई पड़ने लगे। उन किसानों की आहों से दिशाओं के जलने से धुआँ उठा या क्षितिज के किनारे बादल उठे, यह निश्चित नहीं हो रहा था। लेकिन आकाश में उठे बादलों को देखकर ऐसा लगता था कि दीन-दुखियों पर दया करने वाले ईश्वर के कानों में अब उनकी आवाज पहुँच गई है और संभवतः यह न कहना पड़ेगा कि कृषि (खेती) सूखने पर वर्षा होने का क्या लाभ? निस्संदेह काले बादलों को देखकर लगता था कि अब वर्षा होगी और खेती सूखने से बच जाएगी। लेखक कहता है कि आकाश में काजल के समान काले-काले बादलों को उमड़ते-घुमड़ते देखकर उसका मन प्रसन्नता से झूम उठा।

वह बादलों की उपयोगिता के स्थान पर उनकी सुंदरता से अधिक प्रभावित होता है। वह वर्षा की छोटी-छोटी बूंदों का आनंद लेते हुए घर से बाहर निकल पड़ता है। घूमते-फिरते बूंदों के सुख देने वाले ठंडे स्पर्श से प्रसन्न हो उठा। आनंद और कर्त्तव्य तथा श्रेय-प्रेय का समन्वय करने के लिए वर्षा में ही कॉलेज भी चला गया। यह बात अलग है कि उसकी तो सदा छुट्टी ही रहती है तब भी वर्षा में कॉलेज बंद हो जाने के कारण बालकपन के संस्कारों के कारण प्रसन्नता का अनुभव किया।

अर्थात् जैसे बालकपन में वर्षा के कारण स्कूल बंद होने पर आनंद का, प्रसन्नता का अनुभव होता था उसी प्रकार अब कॉलेज के बंद होने पर प्रसन्नता का अनुभव हुआ। वर्षा के कारण धुलकर साफ़-सुथरी हुई सड़कों की चमकीली शोभा तथा प्रकृति में चारों ओर प्राकृतिक सौंदर्य का रसपान करता हुआ तथा हँसता-खेलता हुआ, खेतों की ओर प्रसन्नतापूर्वक देखता हुआ, उत्साहभरे हृदय से वापस आया।

क) गद्यांश में किस धर्म पालन की बात हो रही है ?

1. खेती करने की
2. वर्षा होने की
3. वर्षा न होने की
4. खेती न करने की

ख) ज्वार की पत्तियां ऐंठकर बत्तियाँ क्यों बन गई थीं ?

1. पानी की अधिकता के कारण
2. पानी की कमी के कारण

3. वर्षा होने के कारण
4. फसल न काटने के कारण

ग) किसानों की आहों का क्या परिणाम हुआ ?

1. बादल गरजकर चले गए |
2. बादल उमड़ने घुमड़ने लगे |
3. खेती होने लगी |
4. किसान प्रसन्न हो गए |

घ) लेखक किस संस्था का भूतपूर्व सदस्य था ?

1. जीव दया प्रचारिणी सभा का
2. जीव अदया प्रचारिणी सभा का
3. वर्षा जल बचाओ सभा का
4. प्रकृति बचाओ सभा का

ड) लेखक बादलों के किस रूप से अधिक प्रभावित है ?

1. उनके रंग से
2. उनके सौन्दर्य से
3. उनके आकार से
4. उनके आने से

च) आंसुओं का पानी सिंचाई के काम क्यों नहीं आ सकता ?

1. क्योंकि वह मीठा होता है |
2. क्योंकि वह खारा होता है |
3. क्योंकि वह गन्दला होता है |
4. क्योंकि वह साफ़ नहीं होता है |

छ) वर्षा के कारण सड़के कैसी हो गई ?

1. साफ़ सुथरी
2. गन्दी
3. पानी से भरी हुई
4. गढ़डो से भरी हुई

ज) काले बादलों को देखकर लेखक को क्या लगता था -

1. अब वर्षा नहीं होगी
2. अब हवा चलेगी
3. अब वर्षा होगी
4. अब पानी नहीं पड़ेगा

झ) लेखक ने किसके बीज खेत में बोये थे ?

1. चरी के
2. गेहूं के
3. बाजरे के
4. मक्के के

ञ) 'उपोगिता' में प्रयुक्त प्रत्यय है -

1. ता
2. उप
3. योग
4. उपयोगी

2. **निम्नलिखित काव्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**

एक थे नव्वाब,
फ़ारस से मंगाए थे गुलाब।
बड़ी बाड़ी में लगाए
देशी पौधे भी उगाए
रखे माली, कई नौकर
गजनवी का बाग मनहर
लग रहा था।
एक सपना जग रहा था
सांस पर तहजबी की,
गोद पर तरतीब की।
क्यारियां सुन्दर बनी
चमन में फैली घनी।
फूलों के पौधे वहाँ

लग रहे थे खुशनुमा।
बेला, गुलशब्बो, चमेली, कामिनी,
जूही, नरगिस, रातरानी, कमलिनी,
चम्पा, गुलमेंहदी, गुलखैरू, गुलअब्बास,
गेंदा, गुलदाऊदी, निवाड़, गन्धराज,
और किरने फूल, फ़व्वारे कई,
रंग अनेकों-सुर्ख, धनी, चम्पई,
आसमानी, सब्ज, फ़िरोज सफ़ेद,
जर्द, बादामी, बसन्त, सभी भेद।
फ़लों के भी पेड़ थे,
आम, लीची, सन्तरे और फ़ालसे।
चटकती कलियां, निकलती मृदुल गन्ध,
लगे लगकर हवा चलती मन्द-मन्द,
चहकती बुलबुल, मचलती टहनियां,
बाग चिड़ियों का बना था आशियाँ।
साफ़ राह, सरा दानों ओर,
दूर तक फैले हुए कुल छोर,
बीच में आरामगाह
दे रही थी बड़प्पन की थाह।
कहीं झरने, कहीं छोटी-सी पहाड़ी,
कही सुथरा चमन, नकली कहीं झाड़ी।
आया मौसिम, खिला फ़ारस का गुलाब,
बाग पर उसका पड़ा था रोब-ओ-दाब;
वहीं गन्दे में उगा देता हुआ बुत्ता
पहाड़ी से उठे-सर ऐंठकर बोला कुकुरमुत्ता-
“अब, सुन बे, गुलाब,
भूल मत जो पायी खुशबु, रंग-ओ-आब,
खून चूसा खाद का तूने अशिष्ट,
डाल पर इतरा रहा है केपीटलिस्ट!
कितनों को तूने बनाया है गुलाम,
माली कर रक्खा, सहाया जाड़ा-घाम,
हाथ जिसके तू लगा,
पैर सर रखकर वो पीछे को भागा

औरत की जानिब मैदान यह छोड़कर,
तबेले को टट्टू जैसे तोड़कर,
शाहों, राजों, अमीरों का रहा प्यारा
तभी साधारणों से तू रहा न्यारा।

01. कविता में गुलाब किसका प्रतीक है ?
(क) सामान्य प्रवृति का
(ख) पूंजीवादी प्रवृति का
(ग) फूल का
(घ) सुंदरता का

02. कवि ने कविता में किसका चित्रण किया है ?
(क) गुलाब का
(ख) बाग का
(ग) फूलों का
(घ) कुकुरमुत्ते का

03. गुलाब साधारण से अलग क्यों है ?
(क) क्योंकि वह अमीरों को प्यारा है
(ख) क्योंकि वो बहुत खूबसूरत है
(ग) क्योंकि उसमें कांटे होते हैं
(घ) क्योंकि उसकी अधिक देखभाल करनी पड़ती है

04. **लगे लगकर हवा चलती मन्द-मन्द,** पंक्ति में अलंकार बताइए ।
(क) पुनरुक्तिप्रकाश
(ख) उपमा
(ग) अनुप्रास
(घ) रुपक

05. बाग में किसका आशियाना था ?
(क) गुलाब का
(ख) फूलों का
(ग) पेड़ों का
(घ) चिड़ियों का

OR

निम्नलिखित काव्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

जथा पंख बिनु खग अति दीना। मनि बिनु फनि करिबर कर हीना।।
अस मम जिवन बंधु बिनु तोही। जौं जड़ दैव जिआवै मोही।।
जैहउँ अवध कवन मुहुँ लाई। नारि हेतु प्रिय भाइ गँवाई।।
बरु अपजस सहतेउँ जग माहीं। नारि हानि बिसेष छति नाहीं।।
अब अपलोकु सोकु सुत तोरा। सहिहि निठुर कठोर उर मोरा।।
निज जननी के एक कुमारा। तात तासु तुम्ह प्रान अधारा।
सांपेसि मोहि तुम्हहि गहि पानी। सब बिधि सुखद परम हित जानी।।
उतरु काह दैहउँ तेहि जाई। उठि किन मोहि सिखावहु भाई।।
बहु बिधि सोचत सोच बिमोचन। स्रवत सलिल राजिव दल लोचन।।
उमा एक अखंड रघुराई। नर गति भगत कृपाल देखाई।।

I. प्रस्तुत काव्यांश में कौन सा रस है?
   i. वीर रस
   ii. वात्सल्य रस
   iii. करुण रस
   iv. वीभत्स रस

II. **निज जननी के एक कुमारा** यह पंक्ति किसके विषय में है?
   i. लक्ष्मण
   ii. राम
   iii. हनुमान
   iv. भरत

III. **जथा पंख बिनु खग अति दीना** में कौन सा अलंकार है?
   i. रुपक अलंकार
   ii. उपमा अलंकार
   iii. उत्प्रेक्षा अलंकार
   iv. मानवीकरण अलंकार

IV. **तात तासु तुम्ह प्रान अधारा** में कौन सा अलंकार है?
   i. श्लेष अलंकार
   ii. उत्प्रेक्षा अलंकार
   iii. रुपक अलंकार
   iv. अनुप्रास अलंकार

V. प्रस्तुत काव्यांश की भाषा क्या है?

i. हिन्दी

ii. खड़ी बोली

iii. ब्रज

iv. अवधी

3. कार्यालयी हिंदी और रचनात्मक लेखन निम्नलिखित में से निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए।

a. समाचार लिखते हुए मुख्यतः कितने सवालों के जवाब देने की कोशिश की जाती है?

a. नौ

b. छह

c. पाँच

d. सात

b. पत्रकारिता में सर्वाधिक महत्त्व किस बात का है?

a. चाटुकारिता का

b. समसामयिक घटनाओं का

c. समीक्षाओं का

d. वर्णन का

c. ऐसा समाचार जो दर्शको तक कम से कम शब्दों में तत्काल पहुँचाया जाना जरूरी हो-

a. डेड लाइन न्यूज

b. ब्रेकिंग न्यूज

c. फोन इन न्यूज

d. पीत पत्रकारिता

d. विशेष लेखन पद्धति कहाँ प्रचलित है?

a. शोध प्रबंध

b. जनकल्याण संबंधी लेखन

c. जनसंचार के माध्यमों में

d. शैक्षिकलेखन

e. न्यूज के किस रूप में कम से कम शब्दों में सूचना दी जाती है?

a. लाइव

b. ड्राइ एंकर

c. रेडियो बुलेटिन

d. ब्रेकिंग न्यूज

4. **निम्नलिखित काव्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

फिर हम परदे पर दिखलाएंगे
फुल हुई आँख काँ एक बडी तसवीर
बहुत बड़ी तसवीर
और उसके होंठों पर एक कसमसाहट भी
(आशा हैं आप उसे उसकी अपगता की पीड़ा मानेंगे)
एक और कोशिश
दर्शक
धीरज रखिए
देखिए
हमें दोनों को एक सा रुलाने हैं
आप और वह दोनों
(कैमरा
बस् करो
नहीं हुआ
रहने दो
परदे पर वक्त की कीमत है)
अब मुसकुराएँगे हम
आप देख रहे थे सामाजिक उद्देश्य से युक्त कार्यक्रम
(बस थोड़ी ही कसर रह गई)
धन्यवाद!

I. बस थोड़ी सी कसर रह गई पंक्ति का क्या आशय है ?

i. कार्यक्रम पूरा नहीं हो पाया

ii. वक्त बीत गया

iii. दर्शक को नहीं रुला पाए

iv. दर्शक और अपाहिज दोनों को एक साथ नहीं रुला पाए

II. फूली हुई आँख की तस्वीर क्या दिखाती है ?

i. अपाहिज की बेबसी

ii. अपाहिज की खुशी

iii. अपाहिज का दर्द

iv. दर्शकों की लाचारी

III. साक्षात्कारकर्ता के अनुसार कार्यक्रम कैसा था ?

i. कारोबार के उद्देश्य से

ii. सामाजिक उद्देश्य से युक्त

iii. संवेदनशीलता दिखाने वाला

iv. समाज की सच्चाई दिखानेवाला

IV. कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य क्या था?

i. दर्शक और अपाहिज को एक साथ रुलाना

ii. समाज की सच्चाई दिखाना

iii. अपाहिज की पीड़ा को दिखाना

iv. दर्शक का मनोरंजन करना

V. इस कविता के कवि कौन हैं?

i. मुक्तिबोध

ii. शमशेर

iii. रघुवीर सहाय

iv. महादेवी वर्मा

5. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-**

भक्तिन और मेरे बीच सेवक-स्वामी के संबंध है, यह कहना कठिन है; क्योंकि ऐसा कोई स्वामी नही हो सकता जो इच्छा होने पर भी सेवक को अपनी सेवा से हटा न सके और ऐसा कोई सेवक भी नही सुना गया, जो स्वामी से चले जाने का आदेश पाकर अवज्ञा से हँस दे। भक्तिन को नौकर कहना उतना ही असंगत है। जितना अपने घर से बारी-बारी से आने-जाने वाले अँधेरे-उजाले और आँगन मे फूलने वाले गुलाब और आम को सेवक मानना। वे जिस प्रकार एक अस्तित्व रखते है, जिसे सार्थकता देने के लिए ही हमे सुख-दुःख देते है, उसी प्रकार भक्तिन का स्वतंत्र व्यक्तित्व अपने विकास के परिचय के लिए ही मेरे जीवन को घेरे हुए है।

I. भक्तिन और लेखिका के पारस्परिक संबंधों को सेवक-स्वामी संबंध क्यों नहीं कहा जा सकता?

i. क्योंकि भक्तिन सेवक का काम नहीं करती थी

ii. क्योंकि महादेवी ने भक्तिन को कभी सेवक नहीं माना

iii. क्योंकि भक्तिन स्वतंत्र व्यक्तित्व की थी

iv. क्योंकि वे दोनों एकदूसरे को नहीं जानते थे

II. प्रकाश-अंधकार का उदाहरण किसके लिए दिया गया है?

i. भक्तिन और फूल

ii. महादेवी और पेड़

iii. फूल और पेड़

iv. महादेवी और भक्तिन

III. गद्यांश के आधार पर महादेवी और भक्तिन के बीच कैसा संबंध था ?

i. फूल और फल जैसा

ii. स्वामी और सेवक जैसा

iii. अंधकार और प्रकाश जैसा

iv. माँ और बेटी जैसा

IV. भक्तिन का व्यक्तित्व कैसा है?

i. स्वतंत्र

ii. अपनत्व

iii. रूढ़िवादी

iv. मिला-जुला व्यक्तित्व

V. प्रस्तुत गद्यांश किस पाठ से लिया गया है?

i. पहलवान की ढोलक

ii. पथ के साथी

iii. भक्तिन

iv. अतीत के चलचित्र

6. निम्नलिखित प्रश्नों में निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए:

a. यशोधर पंत और उनके परिवार के बीच किस बात को लेकर द्वन्द्व होता था?

a. आधुनिकता

b. नौकरी

c. खर्च

d. खाना

b. गिरीश कौन सा काम करता है? [सिल्वर वेडिंग]

a. सेक्शन ऑफिसर

b. मार्केटिंग मैनेजर

c. क्लर्क

d. मास्टर

c. **जूझ** पाठ के अनुसार लेखक किस भाषा में कवितायें करता था?

a. अंग्रेजी

b. हिन्दी

c. उर्दू

d. मराठी

d. **जूझ** पाठ के अनुसार लेखक खेतों में अकेला क्यूँ रहना चाहता था?

a. कविता गाने के लिए

b. पशु चराने के लिए

c. पानी देने के लिए

d. गणित पढ़ने के लिए

e. सिंधु घाटी में निम्न में से किसका उन्नत प्रबंध है? **[अतीत में दबे पाँव]**

a. महल

b. स्तूप

c. जल निकासी

d. जमीन

f. सिंधु घाटी में कौन सी धातु की मात्रा पर्याप्त थी? **[अतीत में दबे पाँव]**

a. हीरा और सोना

b. पत्थर और तांबा

c. पीतल और मोती

d. लोहा और पत्थर

g. मोहनजोदड़ो में बस्तियों को क्या कहकर पुकारा जाता था? **[अतीत में दबे पाँव]**

a. नीचा नगर

b. इमारत

c. हॉल

d. गढ़

h. **डायरी के पन्ने** पाठ के अनुसार **पीला सितारा** किसकी पहचान बताता था?

a. जर्मन

b. सैनिक

c. नागरिक

d. यहूदियों

i. ऐन के लिए सिनेमा एण्ड थिएटर पत्रिका कौन लाता था?

a. मिसेज़ वान

b. पीटर

c. डसेल

d. मिस्टर कुगलर

j. **डायरी के पन्ने** पाठ के अनुसार ऑफिस के इमारत का शो पीस क्या था?

a. गोदाम

b. बैंक ऑफिस

c. फ्रन्ट ऑफिस

d. प्राइवेट ऑफिस

खंड-ब वर्णात्मक प्रश्न

7. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 150 शब्दों में रचनात्मक लिखिये:

   a. **विज्ञापन की बढ़ती हुई लोकप्रियता** विषय पर एक अनुच्छेद लिखिए।

   b. **कामकाजी महिलाओं की समस्याएँ** विषय पर रचनात्मक लेख लिखिए।

   c. **धूम्रपान कितना घातक** विषय पर रचनात्मक लेख लिखिए।

8. किसी आपराधिक घटना की अपनी सनसनीखेज़ पड़ताल में कुछ समाचार चैनल जाँच में बाधा डालते हैं और न्यायालयों में मामला पहुँचने से पहले ही आरोपी को अपराधी ठहरा देते हैं। इस प्रवृत्ति पर अपने विचार किसी समाचार-पत्र के संपादक को लिखिए।

   OR

   रेल-यात्रा के दौरान साधारण श्रेणी के यात्रियों को स्टेशनों एवं चलती गाड़ियों में मिलने वाली खान-पान की सामग्री संतोषजनक नहीं होती। इस समस्या की ओर अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट करने के लिए अधीक्षक, खान-पान विभाग, रेल भवन, नई दिल्ली के नाम पत्र लिखिए।

9. निम्नलिखितप्रश्नों के उत्तर 40-50 शब्दों में दीजिये: (3+2)

   a. कहानी का नाट्य- रूपांतरण करते समय किन महत्वपूर्ण बातों का ध्यान रखना चाहिए?
   OR
   कविता के किन प्रमुख घटको का ध्यान रखना चाहिए?

   b. कहानी लेखन में कथानक के पत्रों का संबंध स्पष्ट कीजिए।
   OR
   कहानी के तत्वों की पुष्टि करे।

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 40-50 शब्दों में दीजिये: (3+2)

    a. बीट रिपोर्टिंग करने के लिए पत्रकार को क्या तैयारी करनी पड़ती है, स्पष्ट करें।

OR

इंटरनेट क्या है ?

b. खोजपरक पत्रकारिता किसे कहा जाता है?

OR

संवाददाता किसे कहते हैं?

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर 50-60 शब्दों में दीजिये:

a. **कैमरे में बंद अपाहिज** करुणा के मुखौटे में छिपी क्रूरता की कविता है विचार कीजिए।

b. **उषा** कविता के आधार पर गाँव की सुबह का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

c. व्याख्या करें - (मूर्च्छा और राम का विलाप)

मम हित लागि तजेहु पितु माता। सहेहु बिपिन हिम आतप बाता।
जौं जनतेउँ बन बंधु बिछोहू। पितु बचन मनतेउँ नहिं ओहू।।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर 30-40 शब्दों में दीजिये:

a. व्याख्या कीजिए-

जाने क्या रिश्ता है, जाने क्या नाता है
जितना भी उँड़ेलता हूँ, भर-भर फिर आता है
दिल में क्या झरना है?
मीठे पानी का सोता है
भीतर वह, ऊपर तुम
मुसकाता चाँद ज्यों धरती पर रात-भर
मुझ पर त्यों तुम्हारा ही खिलता वह चेहरा है!

उपर्युक्त पंक्तियों की व्याख्या करते हुए यह बताइए कि यहाँ चाँद की तरह आत्मा पर झुका चेहरा भूलकर अंधकार-अमावस्या में नहाने की बात क्यों की गई है?

b. टिप्पणी करें- गोदी के चाँद और गगन के चाँद का रिश्ता।

c. भ्रातृशोक में हुई राम की दशा को कवि ने प्रभु की नर लीला की अपेक्षा सच्ची मानवीय अनुभूति के रूप में रचा है। क्या आप इससे सहमत हैं? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर 50-60 शब्दों में दीजिये:

a. भक्तिन अच्छी है, यह कहना कठिन होगा क्योंकि उसमें दुर्गुणों का अभाव नहीं लेखिका ने ऐसा क्यों कहा होगा?

b. मेंढक मंडली पर पानी डालने को लेकर लेखक धर्मवीर भारती और जीजी के विचारों में क्या भिन्नता थी?

c. डॉ. भीमराव आंबेडकर की कल्पना के आदर्श समाज की आधारभूत बातें संक्षेप में समझाइए।

14. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर 30-40 शब्दों में दीजिये:

a. **बाज़ार दर्शन** पाठ के आधार पर बताइए कि पैसे की पावर का रस किन दो रूपों में प्राप्त किया जाता है?

b. लुट्टन के राज-पहलवान बन जाने के बाद की दिनचर्या पर प्रकाश डालिए।

c. **मानचित्र पर एक लकीर खींच देने भर से ज़मीन और जनता बँट नहीं जाती है- नमक** पाठ के आधार पर उचित तर्कों व उदाहरणों के जरिए इसकी पुष्टि करें।

12 Hindi Core SP-06

Class 12 - हिंदी कोर

Solution

खंड-अ वस्तुपरक प्रश्न

1. क) स्वतंत्रता का |

   ख) 2 आत्मसंस्कार के लिए |

   ग) 3 परमुखापेक्षी |

   घ) 4 वह त्वरित निर्णय नहीं ले सकता |

   ड) 2 आत्मसंस्कारित |

   च) 1 उसकी आकांक्षाएं उसकी योग्यताओं से बढ़ी हुई हैं |

   छ) 1 जो हर दशा में अपनी राह निकाल लेती है |

   ज) 1 अव |

   झ) 1 क्योंकि उसका निर्णय स्थिर नहीं रह पाता |

   ञ) 1 विनम्रता का महत्व |

   OR

   क) 1 खेती करने की |

   ख) 2 पानी की कमी के कारण |

   ग) 2 बादल उमड़ने घुमड़ने लगे |

   घ) 1 जीव दया प्रचारिणी सभा का |

   ड) 2 उनके सौन्दर्य से |

   च) 2 क्योंकि वह खारा होता है |

छ) 1 साफ़ सुथरी |

ज) 3 अब वर्षा होगी |

झ) 1 चरी के |

ञ) 1 ता |

2. I. (ख) पूंजीवादी प्रवृति का
   II. (ख) बाग का
   III. (क) क्योंकि वह अमीरों को प्यारा है
   IV. (ग) अनुप्रास
   V. (घ) चिड़ियों का

   OR

   I. (iii) करुण रस
   II. (i) लक्ष्मण
   III. (ii) उपमा अलंकार
   IV. (iv) अनुप्रास अलंकार
   V. (iv) अवधी

3. कार्यालयी हिंदी और रचनात्मक लेखन निम्नलिखित में से निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए।

   a. (b) छह
      Explanation: किसी समाचार को लिखते हुए मुख्यतः छह सवालों का जवाब देने की कोशिश की जाती है। क्या हुआ, किसके साथ हुआ, कहाँ हुआ, कब हुआ, कैसे और क्यों हुआ?

      इस-क्या, किसके (या कौन), कहाँ, कब, क्यों और कैसे-को छह ककारों के रूप में भी जाना जाता है।

   b. (b) समसामयिक घटनाओं का
      Explanation: पत्रकारिता में सर्वाधिक महत्त्व समसामयिक घटनाओं का है।
   c. (b) ब्रेकिंग न्यूज
      Explanation: ऐसा समाचार जो दर्शकों तक कम से कम शब्दों में तत्काल पहुंचाया जाना जरूरी हो, उसे ब्रेकिंग न्यूज कहते हैं। इसमें केवल घटना की सूचना दी जाती है।
   d. (c) जनसंचार के माध्यमों में
      Explanation: जनसंचार माध्यमों में समाचार पत्र-पत्रिकाओं, रेडियो, टीवी के माध्यम से दर्शकों और श्रोताओं के लिए विशेष लेखन किया जाता है।

e. (d) ब्रेकिंग न्यूज

Explanation: ब्रेकिंग न्यूज अथवा फ्लैश न्यूज में कम से कम शब्दों में दर्शकों तक सूचना पहुंचाई जाती है।

4. I. (iv) दर्शक और अपाहिज दोनों को एक साथ नहीं रुला पाए

II. (i) अपाहिज की बेबसी

III. (iv) सामाजिक उद्देश्य से युक्त

IV. (i) दर्शक और अपाहिज को एक साथ रुलाना

V. (iii) रघुवीर सहाय

5. I. (ii) क्योंकि महादेवी ने भक्तिन को कभी सेवक नहीं माना

II. (iv) महादेवी और भक्तिन

III. (iii) अंधकार और प्रकाश जैसा

IV. (i) स्वतंत्र

V. (iii) भक्तिन

6. निम्नलिखित प्रश्नों में निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए:

a. (a) आधुनिकता

Explanation: पाठ के अनुसार यशोधर पंत और उनके परिवार के बीच आधुनिकता को लेकर द्वन्द्व होता था। यशोधर पंत पर पुराने विचार और मान्यताएं हावी थे, इस कारण वे अपने परिवार की आधुनिकता के खिलाफ थे।

b. (b) मार्केटिंग मैनेजर

Explanation: गिरीश यशोधर बाबू की पत्नी का चचेरा भाई था। वह किसी बड़ी कंपनी में मार्केटिंग मैनेजर है।

c. (d) मराठी

Explanation: लेखक मराठी भाषा में कवितायें किया करता था। उसने कविता करने का प्रशिक्षण अपने मराठी विषय के शिक्षक से लिया था।

d. (a) कविता गाने के लिए

Explanation: पाठ के अनुसार लेखक खेतों में अकेले रहकर काम करना चाहता था, ताकि वो अकेले में बिना किसी रुकावट के कविताओं को गा सके और उन पर नाच सके।

e. (c) जल निकासी

Explanation: पाठ के अनुसार सिंधु घाटी में जल निकासी का सबसे उन्नत प्रबंध है, जो सिंधु घाटी की एक अनूठी विशेषता है।

f. (b) पत्थर और तांबा

Explanation: सिंधु घाटी में पत्थर और ताँबा पर्याप्त मात्रा में थे। पत्थर सिंध में और तांबा राजस्थान में पाया जाता था। खेती के उपकरण भी इन्हीं धातुओं से बनाए जाते थे।

g. (a) नीचा नगर

Explanation: पाठ के अनुसार मोहनजोदड़ो में बस्तियों को नीचा नगर कहकर पुकारा जाता था, क्योंकि ये गढ़ से

छोटे टीलों पर बने हुए थे।

h. (d) यहूदियों

Explanation: पाठ के अनुसार 'पीला सितारा' यहूदियों की पहचान बताता था। हिटलर के शासनकाल में यह अनिवार्य किया गया था।

i. (d) मिस्टर कुगलर

Explanation: पाठ के अनुसार ऑफिस के इमारत में रहते हुए मिस्टर कुगलर ऐन के लिए हर सोमवार को सिनेमा एण्ड थिएटर पत्रिका की प्रति लाते थे।

j. (d) प्राइवेट ऑफिस

Explanation: पाठ के अनुसार प्राइवेट ऑफिस उस इमारत का शो पीस था। उस भाग में सब सुविधायें उन्नत किस्म की थी। उस ऑफिस की जानकारी भी सब को नहीं थी।

खंड-ब वर्णात्मक प्रश्न

7. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 150 शब्दों में रचनात्मक लिखिये:

a. **विज्ञापन की बढ़ती हुई लोकप्रियता**

आज के युग को विज्ञापनों का युग कहा जा सकता है। आज सभी जगह विज्ञापन-ही-विज्ञापन नज़र आते हैं। बड़ी-बड़ी कंपनियाँ एवं उत्पादक अपने उत्पाद एवं सेवा से संबंधित लुभावने विज्ञापन देकर उसे लोकप्रिय बनाने का हर संभव प्रयास करते हैं। किसी नए उत्पाद के विषय में जानकारी देने, उसकी विशेषता एवं प्राप्ति स्थान आदि बताने के लिए विज्ञापन की आवश्यकता पड़ती है। इसके अतिरिक्त आज के समय में बिना विज्ञापन के उत्पादों का बिकना अत्यंत मुश्किल है।

विज्ञापनों के द्वारा किसी भी सूचना तथा उत्पाद की जानकारी, पूर्व में प्रचलित किसी उत्पाद में आने वाले बदलाव आदि की जानकारी सामान्य जनता को दी जा सकती है।

विज्ञापन का उद्देश्य जनता को किसी भी उत्पाद एवं सेवा की सही सूचना देना है, लेकिन आज विज्ञापनों में अपने उत्पाद को सर्वोत्तम तथा दूसरों के उत्पादों को निकृष्ट कोटि का बताया जाता है। आजकल के विज्ञापन भ्रामक होते हैं तथा मनुष्य को अनावश्यक खरीदारी करने के लिए प्रेरित करते हैं। विज्ञापनों का यह दायित्व बनता है कि वे ग्राहकों को लुभावने दृश्य दिखाकर गुमराह नहीं करें, बल्कि अपने उत्पाद के सही गुणों से परिचित कराएँ। तभी उचित सामान ग्राहकों तक पहुँचेगा और विज्ञापन अपने लक्ष्य में सफल होगा।

b. **कामकाजी महिलाओं की समस्याएँ**

20वीं सदी के प्रारंभ में विश्व में महिलाओं का स्थान घर-परिवार की जिम्मेदारियाँ तक ही सीमित था। किंतु आधुनिकीकरण के साथ-साथ समाज के संरचनात्मक स्तर में भी परिवर्तन आया। महिलाओं के लिए शिक्षा के द्वार खुले और महिलाओं ने आजादी के संघर्ष में बढ़-चढ़कर भाग लिया। यही नहीं आजादी के बाद बदलते सामाजिक परिदृष्य की उपज अभाव और महँगाई से दो-चार होने के लिए महिलाओं को घर की जिम्मेदारियाँ निभाने के अलावा

नौकरी व अन्य व्यवसाय भी करने पड़े,जो तत्कालीन समय के अनुसार सही भी है और आवश्यक भी। इन सबके बावजूद, उन्हें हीन दृष्टि से देखा जाता है। दूसरे, यदि महिलाकर्मी कुंवारी है तब सहकर्मी पुरुषों की ही नहीं, राह चलतों की गिद्ध दृष्टि भी उसे निगलने को तत्पर रहती है। उसे अनुचित संवाद सुनने पड़ते हैं तथा अनचाहे स्पर्श व संकेत झेलने पड़ते हैं।

अधिकारी भी उन्हें अधिक समय तक रुकने के लिए मजबूर करते हैं। इसका कारण भारतीय पुरुष की गुलाम मानसिकता है। विवाहित कामकाजी महिलाओं की समस्या भी कम नहीं होती। उन्हें नौकरी करने के साथ-साथ घर के पूर्वनिर्धारित सभी कार्य करने पड़ते हैं। पुरुष-प्रधान समाज में उसके कार्यों को दूसरा कोई नहीं करता। उसका व्यक्तित्व घर-बाहर में बँटा रहता है। अधिक कमाने वाला पति स्वयं को महत्वपूर्ण समझता है तथा कम कमाने वाला हीनग्रंथि का शिकार हो जाता है। ऐसी स्थिति में पति-पत्नी के संबंध तनावपूर्ण हो जाते हैं।आज हमें अपनी मानसिकता को बदलना होगा, तभी हम अपने देश के आगे बढ़ने में सहायक हो सकते हैं।

c. **धूम्रपान कितना घातक**

'धूम्रपान' शब्द दो शब्दों 'धूम्र' और 'पान' से मिलकर बना है, जिसका अर्थ है-धूम्र अर्थात धुएँ का पान करना। अर्थात नशीले पदार्थों के धुएँ का विभिन्न प्रकार से सेवन करना, जो नशे की स्थिति उत्पन्न करते हैं और यह नशा व्यक्ति के मनोमस्तिष्क पर हावी हो जाता है। इससे धूम्रपान करने वाले व्यक्ति का मस्तिष्क शिथिल हो जाता है और वह अपने आस-पास की वास्तविक स्थिति में अलग-सा महसूस करने लगता है। यही स्थिति उसे एक काल्पनिक आनंद की दुनिया में ले जाती है। समाज में धूम्रपान की प्रवृत्ति बहुत पुरानी है। धूम्रपान रोकने के लिए सरकार के साथ-साथ लोगों को अपनी सोच में बदलाव लाना होगा और इसके खतरों से सावधान होकर इसे त्यागने का दृढ़ निश्चय करना होगा। यदि एक बार ठान लिया जाए तो कोई भी काम असंभव नहीं है। बस आवश्यकता है तो दृढ़ इच्छा-शक्ति की। इसके अलावा सरकार को धूम्रपान कानून के अनुपालन के लिए ठोस कदम उठाना चाहिए।और अगर हमारा समाज शिक्षित होगा ,तो धूम्रपान से बचना अधिक आसान होगा।

धूम्रपान का प्रचार करने वाले विज्ञापनों पर अविलंब रोक लगाना चाहिए तथा इसका उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्यवाही करनी चाहिए। विद्यालय पाठ्यक्रम का विषय बनाकर बच्चों को शुरू से ही इसके दुष्परिणाम से अवगत कराना चाहिए ताकि युवावर्ग इससे दूरी बनाने के लिए स्वयं सचेत हो सके। हमें धूम्रपान रोकने में सरकार और लोगों को हर संभव मदद करनी चाहिए।इसके अतिरिक्त धूम्रपान के विरुद्ध विभिन्न प्रकार के जागरूकता अभियान चलाया जाना चाहिए, ताकि लोगों को इस दलदल से निकाला जा सके।

8. 4/41, आज़ादपुर, दिल्ली।
17 अप्रैल, 2019
सेवा में,
संपादक,
हिंदुस्तान टाइम्स,

मथुरा रोड, दिल्ली।

विषय- आपराधिक घटनाओं को समाचार चैनल द्वारा सनसनीखेज़ बनाए जाने के संबंध में।

महोदय,

इस पत्र के माध्यम से मैं आपका ध्यान आपराधिक घटनाओं को समाचार चैनलों द्वारा सनसनीखेज़ बनाए जाने तथा न्यायालय के निर्णय से पूर्व स्वयं निर्णय लेने की प्रवृत्ति की ओर आकर्षित कराना चाहती हूँ।

पत्रकारिता को भारतीय समाज में लोकतंत्र का चौथा आधार स्तंभ माना जाता है। लोकतंत्र को सुचारु रूप से चलाने में इसकी महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है। वर्तमान समय में कई बार देखा गया है कि विभिन्न समाचार चैनलों ने अपनी सनसनीखेज़ पड़ताल के द्वारा न्यायालयों के निर्णय से पूर्व ही आरोपी को अपराधी ठहरा कर जाँच की प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न की है। 'आरूषि हत्याकांड' इसका उपयुक्त उदाहरण है। समाचार चैनलों की यह प्रवृत्ति जन सामान्य की भावनाओं को आंदोलित करने के साथ ही न्यायिक प्रणाली को भी प्रभावित करती है। किसी भी समाचार चैनल को कार्य केवल उस घटना से संबंधित तथ्यों से जनता को अवगत कराना होता है। किसी भी आरोपी को अपराधी घोषित करना या न करना केवल न्यायालय का कार्य होता है।

अतः मेरा आपके माध्यम से ऐसे समाचार चैनलों से अनुरोध है कि उन्हें अपनी ऐसी प्रवृत्ति को त्याग देना चाहिए। मैं आपसे निवेदन करती हूँ कि आप अपने समाचारपत्र के माध्यम से इन चैनलों के इस रवैये के खिलाफ कोई ठोस कदम उठाए।

धन्यवाद।

भवदीया

ज्योति मेहरा

OR

परीक्षा भवन

नई दिल्ली

दिनांक: 22 नवंबर 2019

अधीक्षक

खान-पान विभाग,

रेल भवन,

नई दिल्ली।

विषय-रेल-यात्रियों को मिलने वाली घटिया खाद्य सामग्री के संबंध में।

महोदय,

मैं आपका ध्यान रेल-यात्रा के दौरान साधारण श्रेणी के यात्रियों को स्टेशनों व चलती गाड़ियों में मिलने वाली खान-पान की घटिया सामग्री की तरफ दिलाना चाहता हूँ। इस कारण से अनेक यात्रियों को कठिन परिस्थितियों से गुजरना पड़ता है। साधारण श्रेणी के यात्री स्टेशन पर से सामान खरीदते हैं, परंतु रेलवे स्टेशनों पर खाद्य सामग्री की गुणवत्ता बेहद घटिया होती है तथा उनके 'रेट' भी काफी अधिक होते हैं। कभी-कभी वे नकली सामान भी बेचते हैं। स्टेशनों पर खाद्य सामग्री के

निर्माण में सफ़ाई का ध्यान नहीं रखा जाता तथा सामग्री भी प्रायः बासी होती है। इन खाद्य पदार्थों को खाने से लोग अनेक बीमारियों से ग्रस्त हो जाते हैं। चलती गाड़ियों में भी सामान बेचने वाले पंजीकृत नहीं होते। वे मनमर्जी की कीमत से सामान बेचते हैं। इन समस्याओं के बारे में स्थानीय अधिकारियों से कई बार शिकयतें की जा चुकी हैं, परंतु उन्होंने अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की।

आपसे अनुरोध है कि आप इस समस्या पर गंभीरता से कार्रवाई करें तथा खाद्य सामग्री की गुणवत्ता में सुधार लाने हेतु आवश्यक कदम उठाएँ। इस विषय पर यथाशीघ्र कार्रवाई करने की आवश्यकता है।

धन्यवाद

भवदीय

गोविन्द शर्मा

9. निम्नलिखित में से 2 प्रश्नों के उत्तर 40-50 शब्दों में दीजिये: (3+2)

a. **कहानी का नाट्य रूपांतर करते समय इन महत्वपूर्ण बातों पर ध्यान देना चाहिये-**

   i. कहानी एक ही जगह पर स्थित होनी चाहिये।
   ii. कहानी में संवाद नहीं होते और नाट्य संवाद के आधार पर आगे बढता है। इसलिये कहानी मे संवाद का समावेश करना जरूरी है।
   iii. कहानी का नाट्य रूपांतर करने से पहले उसका कथानक बनाना बहुत जरूरी है।
   iv. नाट्य मे हर एक पत्र का विकास, कहानी जैसे आगे बढती है, वैसे होता है इसलिये कहानी का नाट्य रूपांतर करते वक्त पात्र का विवरण करना बहुत जरूरी होता है।
   v. एक व्यक्ति कहानी लिख सकता है, पर जब नाट्य रूपांतर कि बात आती है, तो हर एक समूह या टीम कि जरूरत होती है।

b. कविता भाषा में होती है इसलिए भाषा का सम्यक ज्ञान जरूरी है भाषा सब्दो से बनती है शब्दों का एक विन्यास होता है जिसे वाक्य कहा जाता है भाषा प्रचलित एवं सहज हो पर संरचना ऐसी कि पाठक को नई लगे कविता में संकेतो का बड़ा महत्व होता है इसलिए चिह्नों (, !,।) यहाँ तक कि दो पंक्तियों के बीचका खाली स्थान भी कुछ कह रहा होता है वाक्य-गठन की जो विशिष्ट प्रणालियाँ होती हैं, उन्हें शैली कहा जाता है इसलिए विभिन्न काव्य-शैलियों का ज्ञान भी जरुरी है। शब्दों का चयन, उसका गठन और भावानुसार लयात्मक अनुशासन वे तत्व हैं जो जीवन के अनुशासन की लिए जरुरी हैं।

c. देशकाल, स्थान और परिवेश के बाद कथानक के पत्रों पर विचार करना चाहिए। हर पात्र का अपना स्वरूप, स्वभाव और उद्देश्य होता है। कहानी में वह विकसित भी होता है या अपना स्वरूप भी बदलता है। कहानीकार के सामने पत्रों का स्वरूप जितकारण पत्नारों का अध्ययन कहानी की एक बहुत महत्त्वपूर्ण और बुनियादी शर्त है। इसके स्पष्ट होगा उतनी ही आसानी उसे पत्रों का चरित्र-चित्रण करने और उसके संवाद लिखने में होगी। इसके अंतगर्त पात्रो के अंत संबंध पर भी विचार किया जाना चाहिए। कौन-से पात्र की किस किस परिस्थिति में क्या प्रतिक्रिया होगी, यह भी

कहानीकार को पता होना चाहिए।

d. आकार की लघुता, संवेदना की एकता, सत्य का आधार या कल्पना, रोचकता, मनोवैज्ञानिकता और सक्रियता, पत्रों की न्यूनता, स्म्क्लन्त्र्य (स्थान, काल और पात्र), जीवन की घटना अथवा स्थिति विशेष का मार्मिक चित्रण, य्थार्थ्यता, परिस्थिति की सरलता, उद्देश्य की स्पष्टता आदि कहानी की विशेषताएँ हैं। इन विशेषताओं के आधार पर कहानी के छह तत्व निर्धारित किए गए हैं - कथानक या कथावस्तु, पात्र तथा चरित्र- चित्रण, कथोपकथन, देश-काल-वातावरण, भाषा-शैली और उद्देश्य।

10. निम्नलिखित में से 2 प्रश्नों के उत्तर 40-50 शब्दों में दीजिये: (3+2)

a. बीट रिपोर्टिंग करने के लिए पत्रकार को बहुत तैयारी करनी पड़ती है जैसे जो पत्रकार राजनीति विषय की रिपोर्टिंग करते हैं तो उन्हें उस पार्टी का इतिहास पता होने के साथ समयानुसार होने वाले परिवर्तनों के अलावा वर्तमान स्थिति का ज्ञान होना चाहिए, विषय से संबंधित जानकारी इकट्ठी करने के लिए उसके अपने विश्वस्त सूत्र होने चाहिए ताकि समय-समय पर उसे जानकारी मिल सके, साथ ही उसे अपने क्षेत्र में समय भी बिताना चाहिए।

b. इंटरनेट एक ऐसा औजार (टूल) है, जिसकी सहायता से हम सूचना, मनोरंजन, समाचार आदि का विवरण जान सकते हैं । जहाँ एक तरफ इंटरनेट पर सूचनाओं का आदान-प्रदान होता है, वहीं दूसरी तरफ इसके माध्यम से दुष्प्रचार और अश्लीलता भी फैलाई जाती है। आजकल इंटरनेट का प्रयोग पत्रकारिता और जनसंचार में सामान्य है।

c. खोजपरक पत्रकारिता का अर्थ उस पत्रकारिता से है, जिसमें सूचनाओं को सामने लाने के लिए उन तथ्यों की गहराई से छानबीन की जाती है, जिन्हें संबंधित पक्ष द्वारा दबाने या छुपाने का प्रयास किया जा रहा हो।

d. समाचारों को संकलित करने वाले को संवाददाता कहा जाता है।

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर 50-60 शब्दों में दीजिये:

a. यह कविता मानवीय करुणा को तो प्रस्तुत करती ही है, साथ ही इस कविता में ऐसे लोगो की बनावटी करुणा का वर्णन भी मिलता है, जो दुःख-दर्द बेचकर, प्रसिद्धि एवं आर्थिक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। एक अपाहिज व्यक्ति के साथ झूठी सहानुभूति जताकर उसकी करुणा का व्यवसायीकरण करना चाहते है। एक अपाहिज की करुणा को पैसे एवं प्रसिद्धि के लिए टेलीविज़न पर कुरेदना वास्तव में क्रूरता की चरम सीमा हैं। किसी की हीनता, अभाव, दुःख और कष्ट सदा से करुणा के कारण अथवा उद्दीपन रहे हैं, मगर इन कारणों को सार्वजनिक कार्यक्रम के रूप में प्रसारित करना और अपने चैनल की श्रेष्ठता साबित करने के लिए तमाशा बनाकर उसे फूहड़ ढंग से प्रदर्शित करना क्रूरता है। सांसारिक भौतिकहीनता इतनी नही अखरती, जितनी शारीरिकहीनता से वेदना होती है। उसके साथ इस खिलवाड़ को क्रूरता की पराकाष्ठा ही कहा जाएगा।

b. उषा कविता के माध्यम से कवि ने प्रात: कालीन सौन्दर्य का वर्णन सरल एवं सहज भाव से किया है। नए तथा ग्रामीण

जीवन के प्रतीकों का प्रयोग करते हुए जीवंत एवं गतिशील चित्रण किया गया है। भोर के समय आकाश शंख के समान नीला लगता है ,सूर्य के आगमन के साथ ही उसकी नीलिमा कम होने लगती है। भोर का आकाश कभी राख से लीपे हुये गीले चौके के समान प्रतीत होने लगता है तो कभी खड़िया चाक लगे हुए स्लेट के समान तो कभी केसर से लीपी हुई सिल जैसा लग रहा है है किन्तु सूर्योदय से उषा का जादू टूटने लगता है। सूर्य की लालिमा के सामने भोर के बदलते रूप-रंग विलीन हो जाते हैं।

c. लक्ष्मण के मूर्छित होने पर राम विलाप करते हुए कहते हैं - हे भाई! तुम मुझे कभी दुःखी नहीं देख सकते थे। तुम्हारा स्वभाव सदा से ही मेरे लिए कोमल था। मेरे हित के लिए तुमने माता-पिता को भी छोड़ दिया और वन में जाड़ा, गरमी और हवा सब कुछ सहन किया किन्तु वह प्रेम अब कहाँ है? मेरे व्याकुलतापूर्ण वचन सुनकर तुम उठते क्यों नहीं? यदि मुझे ज्ञात होता कि वन में मैं अपने भाई से बिछड़ जाऊँगा मैं पिता के वचनों (जिसका मानना मेरे लिए परम कर्तव्य था) को कभी न मानता और न ही तुम्हें अपने साथ लेकर वन आता।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर 30-40 शब्दों में दीजिये:

a. कवि कहता है कि प्रिय तुम्हारा-मेरा संबंध बड़ा अजीब है। मुझे यह समझ नहीं आता है। इसकी गहराई इससे ही पता चलती है कि मैं जितना प्रेम तुम्हें देता हूँ उसके बाद भी वह फिर आ जाता है। अर्थात जितना प्रेम तुम पर उड़ेलता हूँ मैं फिर से प्रेममय हो जाता हूँ। कवि कहता है कि अपने हृदय की इस स्थिति से मैं विस्मित हूँ। मुझे समझ नहीं आता है कि यह सब क्या हो रहा है। मेरे हृदय में यह कहाँ से आ रहा है। मेरे हृदय में कब से यह मीठे पानी के झरने रूपी भावनाएँ संचारित हो रही हैं। इस झरने की विशेषता है कि यह कभी न समाप्त होने वाला है। इन सबके मध्य मुझे ज्ञात हुआ है कि मेरे हृदय में प्रेमरूपी जल का सोता बह रहा है और बाहर तुम मेरे जीवन में हो। तुम्हारा सुंदर खिलता हुआ चेहरा मेरे जीवन को इसी प्रकार प्रकाशित कर रहा है, जैसे चाँद रातभर धरती को प्रकाशित करता है। यहाँ चाँद की तरह आत्मा पर झुका चेहरा भूलकर अंधकार-अमावस्या में नहाने की बात की गई क्योंकि कवि ने अपने प्रिय के स्मरण की स्थिति को प्रकाश की स्थिति बताया है। कवि को प्रियतमा की स्मृतियाँ आनंद देती है परंतु उन स्मृतियों से वंचित होने का भय भी सताता है। कवि ने दुख को अंधकार की संज्ञा दी है।

b. गोदी का चाँद अर्थात् बच्चा माँ को हर्षित करता है और गगन का चाँद बच्चे को यानी गोदी के चाँद को हर्षित करता है। प्रत्येक माँ के लिए उसका बच्चा चाँद के समान सुन्दर और प्रिय होता है और बच्चे को चन्द्रमा आकर्षित करता है,वह उसे अपने हाथों में लेना चाहता है। इस प्रकार माँ के लिए उसका बच्चा चाँद है अर्थात् प्यारा है और बच्चे के लिए गगन का चाँद प्यारा है।

c. हाँ, हम इससे सहमत हैं क्योंकि लक्ष्मण के वियोग में विलाप करते राम निसंदेह मानवीय भावनाओं को दर्शा रहे हैं। वे कहते है - यदि मुझे ज्ञात होता कि वन में मैं अपने भाई से बिछड़ जाऊँगा मैं पिता का वचन (जिसका मानना मेरे लिए परम कर्तव्य था) भी न मानता और न तुम्हें साथ लेकर आता। ये बातें उनके सामान्य मानव के असहनीय दुःख,व्यवहार और प्रलाप को दर्शाती है।

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर 50-60 शब्दों में दीजिये:

a. यद्यपि भक्तिन महादेवीजी की सेवा पूरे मन से करती थी तथापि कई गुणों के साथ-साथ भक्तिन के व्यक्तित्व में कुछ दुर्गुण भी निहित थे-

i. वह घर में इधर-उधर पड़े रुपये-पैसे भंडार घर की मटकी में छुपा देती थी और अपने इस कार्य को चोरी नहीं मानती थी।
ii. महादेवी के क्रोध से बचने के लिए भक्तिन बात को इधर-उधर करके बताने को झूठ नही मानती थी। अपनी बात को सही सिद्ध करने के लिए वह तर्क-वितर्क भी करती है।
iii. वह दूसरों को अपनी इच्छानुसार बदल देना चाहती थी पर स्वयं बिलकुल नही बदलती।
iv. वह शास्त्रीय बातों की व्याख्या अपनी इच्छानुसार करती थी और उन्हें अपने नियमों एवं आदतों को उस आधार पर सही ठहरा कर ही मानती थी।

b. मेंढक मंडली पर पानी डालने को लेकर लेखक का विचार था कि यह पानी की घोर बबांदी है। भीषण गर्मी में जब पानी पीने को नहीं मिलता हो तो दूर-दराज से लाए गए पानी को इस मंडली पर फेंकना देश के संसाधनों का नुकसान है। इसके विपरीत जीजी इसे पानी की बुवाई मानती हैं। वे कहती हैं कि सूखे के समय अगर हम अपने घर का पानी इंदर सेना पर फेंकते हैं, तो यह भी एक प्रकार की बुवाई है। यह पानी गलियों में बोया जाता है जिसके बदले में गाँव, शहर, कस्बों में बादलों की फसल आ जाती है।

c. डॉ. भीमराव आंबेडकर के अनुसार, उनका आदर्श समाज स्वतंत्रता, समता और भ्रातृता पर आधारित होगा। समाज में जब भाईचारा बढ़ेगा, तभी एक दूसरे के प्रति श्रद्धा एवं सम्मान का भाव रहेगा। हर व्यक्ति को अपना व्यवसाय चुनने की स्वतंत्रता मिलेगी। प्रत्येक व्यक्ति को अपनी क्षमता का विकास करने का पर्याप्त अवसर मिलना चाहिए। समाज के सदस्यों को प्रारंभ से ही समान अवसर एवं समान व्यवहार उपलब्ध कराए जाने चाहिए।

14. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर 30-40 शब्दों में दीजिये:

a. पैसे की पावर का रस निम्नलिखित रूपों में प्रात किया जा सकता है-

i. मकान, संपत्ति, कोठी, कार, सामान आदि देखकर।
ii. संयमी बनकर पैसे की बचत करके। इससे मनुष्य पैसे के गर्व से फूला रहता है तथा उसे किसी की सहायता की ज़रूरत नहीं होती।

b. राज-पहलवान बनते ही लुट्टन की कीर्ति दूर-दूर तक फैल गई। पौष्टिक भोजन मिलने से वह राज दरबार का दर्शनीय जीव बन गया। ठाकुरबाड़े के सामने जब पहलवान गरजता- 'महावीर' तब लोग समझ जाते पहलवान बोल रहा है। मेलों में वह घुटने तक लंबा चोगा पहनकर अस्त-व्यस्त पगड़ी बाँधकर मतवाले हाथी की तरह चलता था। मेले के दंगल में वह लँगोट पहन, शरीर पर मिट्टी मलकर स्वयं को साँड़ या भैंसा साबित करता रहता था।

c. राजनीतिक कारणों से मानचित्र पर लकीर खींचकर देश को दो भागों में बाँटकर ज़मीन और जनता को अलग देश का दर्जा प्राप्त हो जाता है परंतु यह अलगाव जनता को भावनात्मक तौर पर अपने वतन से अलग नहीं कर पाता।

पाकिस्तानी, भारतीय कस्टम अधिकारी और सिख बीबी क्रमशः देहली, ढाका और लाहौर को आज भी अपना वतन मानते हैं। जहाँ की पुरानी यादें हर समय उन्हें घेरे रहती है। आज भी वे अपने वतन की सामान्य से सामान्य चीजों से बेहद लगाव रखते हैं। इसी वजह से सिख बीबी 'नमक' जैसी साधारण चीज वहाँ से लाने की बात करती हैं इस प्रकार मानचित्र पर एक लकीर खींच देने से ज़मीन और जनता बँट नहीं सकती है।